

न्यायालय : न्याय निर्णायक अधिकारी एवं अति० जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) श्रीगंगानगर
पीठासीन अधिकारी : नखतदान बारहठ, आर.ए.एस.

न्याय निर्णयन आवेदन सं० ११७/2018

श्री विनोद कुमार शर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यलय अभिहित अधिकारी, (खाद्य सुरक्षा)
एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, श्रीगंगानगर
बनाम

1. रूपेश कुमार पुत्र अमरचन्द नागपाल, जाति नागपाल निवासी वार्ड नम्बर 5, वीपीओ मिर्जेवाला, तहसील व जिला श्रीगंगानगर
मै० गणेश किरयाना स्टोर, मैन बाजार मिर्जेवाला श्रीगंगानगर

अभियुक्त

अपराध अ० धारा 26 उपधारा 2(II) खाद्य सुरक्षा
एवं मानक अधिनियम, 2006 नियम 2011

निर्णय

दिनांक : 26.02.2018

सक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार हैं कि श्री विनोद कुमार खाद्य सुरक्षा अधिकारी, दिनांक 27.10.2016 को कार्यालय अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, श्रीगंगानगर का कार्य सम्पादन कर रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा राजपत्र में प्रकाशित गजट नोटिफिकेशन के अनुसार श्री विनोद कुमार शर्मा को खाद्य सुरक्षा अधिकारी, नियुक्त किया गया है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं निदेशक(जन स्वा.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें राजस्थान जयपुर के आदेश दिनांक 28.09.2016 के अनुसार उन्हें कार्य क्षेत्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, श्रीगंगानगर आवंटित किया गया है। श्रीगंगानगर कार्यालय के अन्तर्गत आने वाले समस्त स्थानीय क्षेत्र उनके कार्यक्षेत्र में बताये हैं।

श्री विनोद कुमार शर्मा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 25.01.2017 को दोपहर 4.00 पी.एम.पर फर्म मै० गणेश किरयाना स्टोर, मैन बाजार मिर्जेवाला श्रीगंगानगर पहुंचा एवं उपस्थित व्यक्ति को अपना परिचय दिया और परिचय लिया। वहां फर्म मालिक रूपेश कुमार पुत्र अमरचन्द नागपाल, जाति नागपाल निवासी वार्ड नम्बर 5, वीपीओ, मिर्जेवाला, तहसील व जिला श्रीगंगानगर खाद्य कारोबारकर्ता एवं विक्रेता की हैसियत से मौजूद थे एवं आम जनता को **Mirch Powder (Nirmal Brand)** आदि विक्रय कर रहे थे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थ **Mirch Powder (Nirmal Brand)** के अमानक स्तर का शक होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत, जांच हेतु नमूना लेने की इच्छा जाहिर की, दुकान की अलमारी में मिर्च **Mirch Powder (Nirmal Brand)** के 30X500 gm. पैकड पाउचेस में से 4X500 gm. पैकड पाउचेस **Mirch Powder (Nirmal Brand)** खरीदा, **Mirch Powder (Nirmal Brand)** की कीमत 388/- रु अदा किये एवं रसीद तैयार की, फार्म संख्या 5ए तैयार किया, खाद्य



अति.जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन)
श्रीगंगानगर

परिवाद पर दोनों पक्षों को सुना गया।

राज पैरोकार ने अपनी बहस में बताया कि अभियुक्त से लिया गया **Mirch Powder (Nirmal Brand)** का सैम्पल के-740 जांच रिपोर्ट संख्या एलएस/107/एक्ट/2017/173 दिनांक 18.02.2017 द्वारा (**Misbranded Food**) होना पाया गया है। जांच रिपोर्ट के अनुसार बिन्दु संख्या 02- **Mirch Powder (Nirmal Brand)** = 9-24 प्रतिशत पाया गया जबकि Minimum 11-00 प्रतिशत by weight होना चाहिए था। अतः अभियुक्त के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 26 की उप धारा 2 (ii) उल्लंघन तथा धारा 52 के तहत जुर्माना योग्य अपराध साबित होता है।

अभियुक्त की ओर से प्रस्तुत जवाब में वर्णित तथ्यों को ही बहस में दोहराते हुए कहा है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने जिस **Mirch Powder (Nirmal Brand)** का नमूना जांच हेतु लिया था वह जांच रिपोर्ट के अनुसार (**Misbranded Food**) पाया गया है। वह जांच रिपोर्ट अनुसार मिसब्रान्ड पाया गया है जिसका बिल मेरे पास नहीं है। भविष्य में मैं इस प्रकार का मिर्च पाउडर का विक्रय नहीं करूंगा। मैं एक छोटा दुकानदार हूँ। अतः लोक अदालत की भवना से कम से कम जुर्माना लगाते हुए इस प्रकरण को समाप्त करने की कृपा करें।

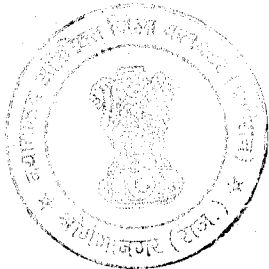
बहस पर मनन किया गया। पत्रावली का अवलोकन किया गया।

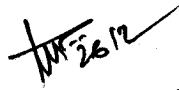
इस प्रकार अभियुक्त से लिया गया Sample of "**Mirch Powder (Nirmal Brand)**" bearing Code No. and Sr. No. K-7740 of Designated Officer cum The Chief Medical & Health Officer, Sriganaganagar is **Misbranded Food** Under Section 3[1][zf][c][i] of FSS Act, 2006 it is Contravene Regulation 22-2-[10] of FSS. (Packaging and Labelling) Regulation, 2011. जांच रिपोर्ट पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं है।

फलस्वरूप अभियुक्त को एफएसएस एक्ट 2006 की धारा 51 के तहत जुर्माने से दण्डित किये जाने के अन्तर्गत राशि रूपये 4,000-00 (अखरे चार पांच हजार मात्र) के आर्थिक दण्ड से दण्डित किया जाता है।

अभियुक्त को यह निर्देश दिये जाते हैं कि भविष्य में **Mirch Powder (Nirmal Brand)**" के लिए उच्च गुणवत्ता के घटकों का इस्तेमाल करें, ताकि ऐसे खाद्य पदार्थों से उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इन आदेशों की पालना सख्ती से की जावे। निर्णय की प्रति मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भेजी जावे।

निर्णय आज दिनांक 26.02.2018 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।




(नखतदान बारहठ)
न्याय निर्णायक अधिकारी एवं
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (प्रशा0)
श्रीगंगानगर